सत्यमेव जयते
Government of West Bengal

एक पेड़ माँ के नाम

EK PED MAA KE NAAM

वन विभाग
पश्चिम बंगाल सरकार
की ओर से एक भावपूर्ण निवेदन

मातृ ऋण और धरती वंदना

हमारी जैविक माँ अपने जीवन के सारे सुख त्याग कर, असीम ममता के साथ हमारा पालन-पोषण करती हैं। वहीं, हमारी यह धरती माता भी हर पल हमें जीवनदायिनी हवा और संसाधन देकर हमारा अस्तित्व बनाए रखती हैं।

हमारी माताओं के प्रति सम्मान प्रकट करने और धरती माता को सुरक्षित रखने के लिए, विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर म ाननीय मुख्यमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में पश्चिम बंगाल में एक पवित्र आंदोलन की शुरुआत हुई है – एक पेड़ माँ के नाम। यह के वल एक पौधा लगाना नहीं है, बल्कि अपनी माँ के नि:स्वार्थ प्रेम के प्रति एक परम श्रद्धांजलि है और उस पौधे को जीवनभर सुरक्षित रखने का एक अटूट संकल्प है।

आप भी आगे आयें

- **एक जीवंत धरोहर:** आज आपके द्वारा लगाया गया यह पौधा जैसे-जैसे बड़ा होगा, आपकी माँ के अमर प्रेम और त्याग के एक जीवित प्रतीक के रूप में मुस्कुराएगा।
- **आने वाली पीढ़ी की सुरक्षा:** इस पौधे को लगाने और उसकी देखभाल करने से आप जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में हिस्सा ले रहे हैं। यह हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए एक प्रदूषण मुक्त, स्वस्थ और हरा-भरा भविष्य सुनिश्चित करेगा।
- **बंगाल की संस्कृति और हमारा गौरव:** इस अभियान के **पहले ही दिन (5 जून) राज्यभर में रिकॉर्ड 7.5 लाख पौधे** लगाकर पश्चिम बंगाल ने एक अनूठी मिसाल कायम की है। **31 मार्च 2027 तक हमारे राज्य में 1.10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य** तय किया गया है। आइए, बंगाल की समृद्ध संस्कृति को अक्षुण्ण रखते हुए हम सब मिलकर इस लक्ष्य को पार करें।

एक नज़र में

- **आजीवन देखभाल का संकल्प:** इस मिशन का उद्देश्य केवल पेड़ लगाना नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधे को जीवनभर अपने बच्चे की तरह संभालना, सींचना और उसे बड़ा करना है।
- **सामूहिक प्रयास:** यह एक ऐसा महा-अभियान है जो आम नागरिकों, स्कूलों, कॉलेजों, स्वयंसेवी संस्थाओं (NGOs), व्यापारिक संगठनों (Chambers of Commerce), उद्योगों और सभी सरकारी निजी विभागों को एक साथ जोड़ता है।
- **आपके द्वार पर सरकारी सेवा:** वन विभाग इस महान पहल को सीधे आप तक पहुँचा रहा है। जनकल्याण शिविर (15 से 17 जून 2026) में हमारे स्टॉल से पूरी तरह नि:शुल्क (Free) पौधे वितरित किए जा रहे हैं।

आप भी जुड़ जायें इस महत्यपूर्ण अभियान के साथ

- **उपहार प्राप्त करें:** इस शिविर में वन विभाग के स्टॉल पर आएं और अपना नि:शुल्क पौधा प्राप्त करें।
- **प्रेम और आदर से रोपें:** अपने घर के आँगन, कार्यस्थल या आसपास की खाली ज़मीन पर अपनी माँ के नाम से इस पौधे को लगाएं।
- **जीवनभर साथ निभाएं:** पौधे में नियमित रूप से पानी दें और उसे एक विशाल वृक्ष बनाने के लिए प्रतिबद्ध हों।
- **दूसरों को प्रेरित करें:** पेड़ लगाने के इस खूबसूरत पल की तस्वीर या सेल्फी सोशल मीडिया पर **#एकपेड़माँकेनाम** या **#EkPedMaaKeNaam** हैशटैग के साथ सांझा करें।

हमारा लक्ष्य विशाल है, आपकी भूमिका अमूल्य है।

आइए, हम सब मिलकर अपनी माताओं का सम्मान करें, धरती माता को नया जीवन दें और पश्चिम बंगाल को एक हरे-भरे और समृद्ध राज्य में बदलें।

जनहित में जारी:

वन विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार